लिये रबी 1998-99 मौसम से एक संशोधित व्यापक फसल बीमा योजना लागू करने का प्रस्ताव है।

जहां तक पशु बीमा का संबंध है, एक व्यापक पशु बीमा स्कीम पहले से ही विद्यमान है, जिसके तहत एक विनिर्दिष्ट आयु वर्ग के पशुओं की निम्नलिखित बातों से संभावित मृत्यु हेतु बीमा किया जाता है: (1) दुर्घटना (आग, बिजली गिरने, बाढ़, तूफान, भूकम्प, अकाल आदि जैसे प्राकृतिक कारणों सहित (2) पालिसी की अवधि में रोग लगने/रोगी होने पर; (3) शल्य चिकित्सा (4) दंगे, हड़ताल तथा नागरिक भगदड़ (5) प्रजनन तथा प्रसूति की जोखिम तथा (6) स्थायी पूर्ण विकलांगता (अतिरिक्त प्रीमियम की अदायगी पर), के लिए।

विवरण

क्र० सं०	राज्य	मृतकों की संख्या	क्षतिग्रस्त फसल का क्षेत्र (लाख है०)	क्षतिग्रस्त मकानों की संख्या	गुमशुदा पशु (संख्या)
1.	आन्ध्र प्रदेश	943	—	—	—
2.	असम	24	नगण्य	4965	—
3.	गुजरात	1	—	—	—
4.	राजस्थान	37	—	—	—
5.	उत्तर प्रदेश	5	—	142	24
6.	पश्चिम बंगाल	5	0.09	15157	47
	कुल	1015	0.09	20264	71

अति वृष्टि से नुकसान

1692. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(क) गत वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ क्षेत्र के सात जिलों में अति वृष्टि से किसानों को कुल कितनी क्षति हुई; और

(ख) उन्हें राहत प्रदान करने हेतु क्या कार्यवाही की गई है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि अत्यधिक शीतकालीन वर्षा के कारण राज्य के छत्तीसगढ़ क्षेत्र के 7 जिलों में 24.15 लाख हैक्टेयर फसलगत क्षेत्र प्रभावित हुआ जिससे अनुमानतः 100.00 करोड़ रुपये से भी अधिक की फसल का नुकसान हुआ।

कृषकों की लगभग 94.00 करोड़ रुपये की राशि के अल्पावधि ऋणों को मध्यावधि ऋणों में परिवर्तित करने और सरकारी ऋणों पर एक वर्ष के लिए ब्याज को माफ करने के अतिरिक्त लगभग 13.00 करोड़ रुपये की राशि के सहकारी ऋणों पर ब्याज से छूट की सुविधा दी गई। इसके अतिरिक्त, किसानों को पुनः बुवाई, रबी की बुवाई तथा ग्रीष्म फसल की बुवाई के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज तथा उर्वरक तकावी दिए गए। राज्य सरकार ने अपवर्णित धान तथा अन्य फसलों की खरीद उचित मूल्य पर करने के लिए पर्याप्त प्रबन्ध करने की सूचना दी है।

आनन्द विहार स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण के फ्लैटों में दिल्ली दुग्ध योजना का "बूथ"

1693. **श्री सर्यूभान पाटील वहाडणे:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि पूर्वी दिल्ली के आनन्द विहार कालोनी में स्थित दिल्ली दुग्ध योजना के "बूथ" को दूध की सीमित आपूर्ति होने के कारण स्थानीय समृद्ध व्यक्तियों को ही दूध मिल पाता है जब कि जरूरतमंद मध्यम व निम्न वर्गों के लोग इस सुविधा से वंचित हैं;

(ख) क्या सरकार लोगों की भारी मांग को देखते हुए आनन्द विहार के डी०डी०ए० फ्लैट्स में डी०एम०एस० का "दूध" खोलने का विचार रखती है;

-3001/LS-F 3/5.

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और सरकार डी०डी०ए० फ्लैट्स और झुग्गी-झोंपड़ी बस्ती में डी०एम०एस० के दूध की आपूर्ति किस प्रकार से सुनिश्चित करेगी?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) आनन्द विहार कालोनी में दूध की सप्लाई डिपो संख्या 1493 और 1494 से प्रथम आओ प्रथम पाओ आधार पर की जा रही है ताकि वितरण निष्पक्ष और बराबर हो।

(ख) से (घ) सरकार दिल्ली दुग्ध योजना से नया डिपो खोलने के लिए कहेगी।

Losses due to heavy rains and cyclone in Gujarat

1694. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gujarat was badly affected by the heavy rains and cyclone during June and July, 1997 causing loss of life of men and animals besides properties and standing crops;

(b) if so, the details thereof separately; and

(c) the assistance provided by Government district-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) to (c) As per information received from the Government of Gujarat, the heavy rains and floods in June, 1997 affected some districts of the State causing extensive damage public properties. It causes damage to 142819 houses and affected cropped area of 1.98 lakh hectares, besides loss of 285 human lives and 5788 animals. In this connection, the State Government submitted a memorandum seeking assistance of Rs. 664.33 crore from the National fund for Calamity Relief (NFCR) for relief and rehabilitation measures. A Central Team visited the affected areas in the State in July, 1997 to assess the extent of damage and requirement of relief and rehabilitation. On the basis of the report submitted by the Team, an assistance of Rs. 86.90 crore was released to the State from the NFCR in August, 1997. District-wise assistance is not released by the Government of India.

Mango Production

1695. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the estimated mango production this season, State-wise;

(b) how does it compare with the mango yields for the preceding two years;

(c) the quantity and value of mango exported during the past five years;

(d) the specific steps initiated for production of export quality mangoes during the past five years and results achieved thereunder;

(e) the details of fresh package of incentives proposed for encouraging mango cultivation for export/processing purposes and agenda for action during 1998-99 with State-wise targets; and

(f) the details of steps initiated for effective coordination between various Government agencies to boost up production and exports of mango and other fruits?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) and (b) The available information of area, production and yield of mango during the last three years is given at statement-I (*see* below). The expected yield during the current year is low as compared to the yield during the past two years:—

(c) The details of export of mango is as follows:—

Year	Quantity (M. Tonnes)	Value (Rs. in lakh)
1992-93	25,850	4,599
1993-94	22,794	4,387
1994-95	25,414	4,503
1995-96	22,269	3,852
1996-97	24,773	4,487